भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2037 का उत्तर

उत्तराखंड में रेल परियोजनाएं

2037. श्री अनिल बलूनी:
श्री अजय भट्ट:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तराखंड में वर्तमान में चल रही रेल परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और आज की तिथि तक प्रत्येक परियोजना की स्थिति क्या है;

(ख) क्या कोई परियोजना निर्धारित समय-सीमा से पीछे चल रही है;

(ग) क्या सरकार का ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का विस्तार करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इस संबंध में कोई अध्ययन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त रेल लाइन की वर्तमान स्थिति क्या है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): उत्तराखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों हेतु बजट आबंटन निम्नानुसार हैः

अवधि	परिव्यय
2009-14	187 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2025-26	4,641 करोड़ रुपए (लगभग 25 गुना)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, उत्तराखंड राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 40,384 करोड़ रु. की लागत वाली कुल 216 किलोमीटर लंबाई की 03 नई लाइनें स्वीकृत की गई हैं, जिसमें से 16 कि.मी. लंबाई कमीशन की जा चुकी है और मार्च, 2025 तक 19,898 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है । इसका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	03	216	16	19,898

चारधाम तक रेल संपर्कता मुहैया कराने के लिए, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग नई रेल लाइन परियोजना (125 कि.मी.) को स्वीकृत किया जा चुका है।

यह परियोजना उत्तराखंड के देहरादून, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों से होकर गुजरती है और देवप्रयाग तथा कर्णप्रयाग जैसे धार्मिक और पर्यटन स्थलों को ऋषिकेश और भारत की राष्ट्रीय राजधानी से रेल संपर्कता मुहैया कराएगी।

इस परियोजना का संरेखण मुख्यतः सुरंगों से होकर गुज़रता है। इस परियोजना में 104 कि.मी. लंबी 16 मुख्य लाइन सुरंगों और लगभग 98 कि.मी. लंबी 12 पलायन सुरंगों का निर्माण कार्य शामिल है। अभी तक, 99 कि.मी. लंबी मुख्य लाइन सुरंगों और 94 कि.मी. लंबी 9 बचाव सुरंगों का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है।

कार्यों की प्रगति बढ़ाने के लिए, विभिन्न सुरंगों में 08 प्रवेश मार्गों को चिह्नित किया गया है। इन प्रवेश मार्गों द्वारा सुरंग खुदाई के अतिरिक्त कार्यक्षेत्रों का निर्माण किया गया जिससे लंबी सुरंगों के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने में तेज़ी आई। सभी 8 प्रवेश मार्गों (5 कि.मी.) का कार्य भी पूरा किया जा चुका है।

परियोजना में 19 महत्वपुर्ण/बड़े पुलों का निर्माण कार्य भी शामिल है। 19 महत्वपुर्ण/बड़े पुलों में 8 पुलों का कार्य पूरा हो चुका है। शेष पुलों का कार्य भी शुरू किया गया है।

परियोजना की खंडवार प्रगति इस प्रकार है:

क्र. सं.	खंड का नाम	सुरंगों की स्थिति	मुख्य पुलों की स्थिति
1	वीरभद्र - योग नगरी ऋषिकेश (4.7 किमी)	पहले ही पूरा और कमीशन कर दिया गया है।	
2	योग नगरी ऋषिकेश-शिवपुरी (13.4 किमी)	सुरंग (10.8 किमी) • 94% खुदाई पूरी हो चुकी है • लाइनिंग शुरू कर दी गई है	इस खंड में 01 प्रमुख पुल है, जो पूरा हो चुका है
3	शिवपुरी-ब्यासी (14.3 किमी)	सुरंग (12.7 किमी) • 02 में से 01 सुरंग पूरी हो गई है • दूसरी सुरंग की खुदाई पूरी हो गई है • लाइनिंग शुरू की गई है	इस खंड में 02 प्रमुख पुल हैं। दोनों पूरे हो चुके हैं।
4	ब्यासी-देवप्रयाग (15 किमी)	सुरंग (13.3 किमी) • 04 में से 03 सुरंगें पूरी हो गईं • चौथी सुरंग की 69% खुदाई पूरी हो गई • लाइनिंग शुरू की गई	इस खंड में 04 प्रमुख पुल हैं। सभी 4 पुल पूरे हो चुके हैं।
5	देवप्रयाग-जनासु (14.8 किमी)	सुरंग (14.6 किमी) • पूरी हो गई है	-
6	जनासु-मलेथा (4.7 किमी)	सुरंग (2.9 किमी) • पूरी हो गई है	इस खंड में 01 प्रमुख पुल है, जो पूरा हो चुका है
7	मलेथा-श्रीनगर (5.2 किमी)	सुरंग (4.1 किमी) • पूरी हो गई है	-

8	श्रीनगर-धारी देवी (11.2 किमी)	सुरंग (9.1 किमी) • खुदाई पूरी हो गई • लाइनिंग शुरू कर दी गई है	इस खंड में 03 प्रमुख पुल हैं। 1 पुल पूरा हो चुका है और अन्य 2 पुलों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।
9	धारी देवी-तिलानी (रुद्रप्रयाग) (17.6 किमी)	सुरंग (16.6 किमी) • खुदाई पूरी हुई • लाइनिंग शुरू कर दी गई है	इस खंड में 01 मुख्य पुल है, जिसे शुरू किया गया है।
10	तिलानी (रुद्रप्रयाग)-घोलतिर (7.6 किमी)	सुरंग (6.6 किमी) • 79% खुदाई पूरी हुई	इस खंड में 02 प्रमुख पुल हैं। दोनों पुलों का कार्य शुरू किया गया है।
11	घोलतिर - गौचर (7.8 किमी)	सुरंग (7.1 किमी) • खुदाई पूरी हुई • लाइनिंग शुरू कर दी गई है	-
12	गौचर-कार्णप्रयाग (8.4 किमी)	सुरंग (6.3 किमी) • खुदाई पूरी हुई • लाइनिंग शुरू कर दी गई है	इस खंड में 03 प्रमुख पुल हैं। सभी 3 पुलों का काम शुरू कर दिया गया है।

गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ तक रेल संपर्कता का विस्तार करने के लिए सर्वेक्षण कार्य पुरा किया जा चुका है। बहरहाल, परियोजना का संरेखण हिमालय के मुख्य प्रणोदन क्षेत्र के समीप स्थित है, जो अत्यधिक भूकंप संभावित क्षेत्र है।

रेल परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जो निम्नानुसार शामिल हैं:

- भूमि अधिग्रहण
- वानिकी स्वीकृति
- अतिलंघकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां

- **क्षेत्र की भू-वैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजना पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******